

न्यायालय अतिरिक्त सम्भागीय आयुक्त, जोधपुर
पीठासीन अधिकारी : वंदना सिंघवी, आर0ए0एस0

राजस्व अपील संख्या 431/2017

अपीलाण्ट्स	बनाम	रेस्पोंडेन्ट
श्रीमती बदनकंवर पत्नी छेलसिह जाति राजपूत निवासी ग्राम बाबरा तहसील रायपुर जिला पाली		1- अनोपसिह पुत्र धोकलसिह जाति राजपूत निवासी खुडियाला, तहसील बालेसर जिला जोधपुर 2- राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार बालेसर

राजस्व अपील अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956 विरुद्ध आदेश दिनांक 14-8-2013 जो न्यायालय तहसीलदार बालेसर द्वारा प्रकरण संख्या 1/2012 अनवान अनोप सिह बनाम राजस्थान सरकार वगैरा में पारित किया गया ।

उपस्थिति:-

- 1- श्री बाबूलाल विश्णोई अधिवक्ता अपीलांतगण की ओर से ।
- 2- श्री छोटुसिह सोढा अधिवक्ता रेस्पों संख्या 1 की ओर से ।
- 3- राजकीय अधिवक्ता रेस्पों संख्या 2 की ओर से ।

निर्णय

दिनांक 10-1-2018

इस अपील के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार हैं कि वर्तमान अपील के रेस्पों संख्या 1 अनोप सिह ने ग्राम विजयनगर के नामांतरकरण संख्या 94 स्वीकृति दिनांक 2-2-2010 के विरुद्ध प्रथम अपील अपर जिला कलेक्टर प्रथम जोधपुर के समक्ष प्रस्तुत की, जिस पर पारित निर्णय दिनांक 24-10-2011 के द्वारा उक्त म्युटेशन संख्या 94 को निरस्त करते हुए प्रकरण तहसीलदार शेरगढ को निर्णय में दिये गये निर्देशों की पालना हेतु रिमाण्ड किया गया । जिसकी पालना में अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार बालेसर ने अपीलाधीन निर्णय दिनांक 14-8-2013 पारित करने पर उक्त निर्णय के विरुद्ध वर्तमान अपील इस न्यायालय हाजा के समक्ष पेश की है ।

उभयपक्ष के अधिवक्ता उपस्थित । वकील पक्षकारान की बहस सुनी । अपीलांत अधिवक्ता ने अपील मीमो में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए अपनी बहस में कथन किया कि अपीलाधीन भूमि के खातेदार रूपकंवर स्व० लालसिह की पत्नी थी जिसके फौत होने पर अपीलाधीन भूमि ग्राम विजयनगर के खसरा नंबर 960 रकबा 30 बीघा 03 बिस्वा भूमि का फोतेदगी का नामांतरकरण संख्या 94 मृतका की पुत्री अपीलांत बदनकंवर जो कि मृतका की प्रथम श्रेणी की वारिस होने से उसके पक्ष में स्वीकृत हुआ ।

उक्त नामांतरकरण के विरुद्ध प्रथम अपील अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम के तहत वर्तमान अपील के रेस्पों संख्या 1 अनोपसिह द्वारा अपर जिला कलेक्टर प्रथम जोधपुर के समक्ष पेश की जाने पर प्रथम अपील को अपने निर्णय दिनांक 24-10-2011 के द्वारा स्वीकार करते हुए अपीलाधीन म्युटेशन संख्या 94 को निरस्त कर प्रकरण तहसीलदार को निर्णय में दिये गये तीन निर्देशों के साथ रिमाण्ड किया कि-

1- मजमे आम ग्राम सभा मे यह प्रकरण रखकर परीक्षण किया जाये कि क्या श्रीमती बदन कंवर पत्नी छेल सिंह वस्तुतः मृतका रूपकंवर पत्नी लालसिह की जायज पुत्री है –
2- यदि संदेह से परे स्थिति स्पष्ट न हो, विस्तृत परीक्षण व साक्ष्यो के आधार पर कार्यवाही हेतु सक्षम न्यायालय मे वाद दर्ज करवाने हेतु सुझाव देकर तदनुसार निस्तारित करे- 3- यदि संदेह से परे श्रीमती बदनकंवर पत्नी छेलसिह मृतक रूपकंवर पत्नी लालसिह की पुत्री होना पाया जावे तो पूर्व मे रूपकंवर के लाओलाद फौत का अंकन करने वाले कार्मिक के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित कर भेजी जाये ।

अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार बालेसर ने अपर जिला कलेक्टर प्रथम जोधपुर के निर्णय दिनांक 24-10-2011 मे दिये गये निर्देशो की पालना मे कोई स्पीकिंग आदेश पारित नही किया है इसलिए अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय विधिसम्मत नही माना जा सकता है । वकील अपीलांट ने कथन किया कि अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलाधीन निर्णय मे जाच अनुसार अपीलार्थियां बदनकंवर को मृतक रूपकंवर पत्नी लालसिह की जायंदा पुत्री होना तो माना है ।

वकील अपीलांट ने यह भी कथन किया कि रेस्प0 संख्या 1 अनोपसिह मृतक खातेदार रूपकंवर पत्नी लालसिह का कोई वारिस नही होने से उसे अधीनस्थ न्यायालय मे अपील पेश करने का अधिकार ही नही था परंतु अधीनस्थ न्यायालय ने इस तथ्य पर गौर किये बिना जो अपीलाधीन निर्णय पारित किया गया है, वह समर्थन योग्य नही माना जा सकता है ।

वकील अपीलांट ने कथन किया कि अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलाधीन निर्णय मे एकतरफ तो अपीलार्थियां को मृतक खातेदार रूपकंवर की पुत्री होना माना है साथ ही अपीलाधीन निर्णय मे रूपकंवर के वारिसो का नामांतरकरण दर्ज करने से पूर्व सक्षम न्यायालय मे वाद प्रस्तुत कर उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने की भी फाईडिंग दे दी, जबकि न्यायालय अपर जिला कलेक्टर प्रथम जोधपुर के निर्णय मे इस प्रकार के कोई निर्देश नही थे तथा वकील अपीलांट ने उक्त फाईडिंग के संबंध मे कथन किया कि भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के अनुसार उत्तराधिकार प्रमाण पत्र केवल चल सम्पति का ही जारी किया जा सकता है न कि अचल सम्पति का, वर्तमान मामले मे अचल सम्पति बाबत विवाद है जिसके बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र किसी भी न्यायालय से जारी नही किया जा सकता है इसलिए अधीनस्थ न्यायालय ने इस कानूनी प्रावधान के विपरीत अपीलाधीन निर्णय मे जो फाईडिंग दी है, वह निरस्त योग्य है । वकील अपीलांट ने अपनी इस बहस के समर्थन मे आर.आर.टी. 2013 (1) पेज 44 की निर्णय नजीर पेश की ।

अंत मे वकील अपीलांट ने उक्त अपील को स्वीकार करने तथा तहसीलदार बालेसर द्वारा पारित निर्णय दिनांक 14-8-2013 को निरस्त करने तथा अपीलार्थियां के नाम नामांतरकरण दर्ज करने के आदेश पारित करने का निवेदन किया ।

रेस्प0 की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार बालेसर

द्वारा उनके समक्ष प्रस्तुत रिमाण्ड प्रकरण मे अपर जिला कलेक्टर प्रथम जोधपुर द्वारा पारित निर्णय मे दिये गये निर्देशो की पालना मे विधिवत जांच एवं उभयपक्षो को सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान कर जो अपीलाधीन निर्णय पारित किया है, वह विधिसम्मत होने से अपीलांट की उक्त अपील को खारीज करने का निवेदन किया ।

वकील रेस्पो0 संख्या 1 ने कथन किया कि अपीलार्थियां अपने आप को रूपकंवर की एकमात्र जायंदा पुत्री होना बताते हुए अपीलाधीन म्युटेशन के विरुद्ध अपर जिला कलेक्टर प्रथम जोधपुर के समक्ष म्युटेशन अपील पेश की जिसके साथ शपथपत्र मे भी एकमात्र पुत्री होना बताया है जबकि अपीलार्थियां के दो सगी बहने भी है इसलिए अपीलार्थियां ने गलत शपथपत्र पेश करते हुए जो अपील पेश की थी, वह गलत तथ्यो के साथ प्रस्तुत की होने से निरस्त योग्य थी ।

वकील रेस्पो0 ने कथन किया कि अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार के समक्ष जांच के दौरान ग्राम पंचायत खुडियाला के प्रमाण पत्र दिनांक 17-8-2012 मे यह प्रमाणित किया गया है कि अपीलांट बदनकंवर स्व0 रूपकंवर की पुत्री नहीं है, न ही खुडियाला की निवासी है तथा मतदाता सूची एवं राशन कार्ड मे इनका नाम अंकित नहीं है जबकि ग्राम पंचायत खुडियाला के ग्राम सेवक व सरपंच द्वारा जारी वारिसान के प्रमाण पत्र मे रूपकंवर के तीन पुत्रियां उम्मेदकंवर, रामकंवर एवं बदनकंवर बताई है इसलिए अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार बालेसर ने अपीलाधीन निर्णय मे रूपकंवर के वारिसो का नामांतरकरण दर्ज करने से पूर्व विस्तृत परीक्षण एवं साक्ष्यो के आधार पर सक्षम न्यायालय से उतराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने की जो फाईंडिंग दी है, वह विधिसम्मत होने से अपीलांट की उक्त निर्देशो की पालना तो नहीं की बल्कि इस न्यायालय मे मौजूदा अपील पेश की है, जिसे खारीज करने का निवेदन किया ।

वकील रेस्पो0 ने अपीलांट अधिवक्ता की बहस के प्रत्युत्तर मे कथन किया कि **रेस्पा0 अनोपसिह** मृतक लालसिह का नजदीकी भाई है तथा लालसिह के लाऔलाद फोट होने से उसके खातेदारी की भूमि मे उसका हक अधिकार बनता हे इसलिए रेस्पो0 को अपीलाधीन भूमि के संबंध मे स्वीकृत हुए म्युटेशन के विरुद्ध अपील पेश करने का अधिकार था ।

वकील रेस्पो0 ने कथन किया कि अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार के समक्ष उत्पन्न विवाद बिन्दु के मध्यनजर सिविल न्यायालय से उतराधिकार प्रमाण पत्र हासिल किये बिना किसी प्रकार का पुख्ता विनिश्चय नहीं दिया है, और न ही उपलब्ध साक्ष्यो एवं तथ्यो के आधार पर दिया जा सकता था इसलिए अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित किये गये निर्णय मे किसी प्रकार की कोई विधिक त्रुटि नहीं होने से अपीलांट की उक्त अपील को खारीज करने का निवेदन किया ।

वकील रेस्पो0 संख्या 1 ने उक्त अपील के संबंध मे उनके द्वारा न्यायालय हाजा के समक्ष प्रस्तुत पदवार लिखित जवाब एवं प्रारंभिक आपत्तियो को अपनी बहस का अंग सुमार करते हुए अपीलांट की उक्त अपील को खारीज करने का निवेदन किया ।

हमने उभयपक्ष के अधिवक्ताओं की बहस पर मनन किया तथा अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजों एवं वर्तमान अपील में रेसपो0 संख्या 1 द्वारा प्रस्तुत लिखित बहस एवं प्रारंभिक आपत्तियों का तथा अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार बालेसर द्वारा पारित अपीलाधीन निर्णय दिनांक 14-8-2013 का अध्ययन किया साथ ही वकील अपीलांट द्वारा अपनी बहस के समर्थन में प्रस्तुत निर्णय नजीर का भी अवलोकन किया ।

अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार बालेसर ने अपीलाधीन निर्णय में अपीलार्थियों बदनकंवर को रूपकंवर की पुत्री होना माना है साथ ही अधीनस्थ न्यायालय की जांच कार्यवाही के दौरान स्व0 खातेदार रूपकंवर के अपीलार्थियों बदनकंवर के अलावा अन्य दो पुत्रियां उम्मेदकंवर एवं रामकंवर होने का भी तथ्य प्रकट हुआ है तथ्य प्रकट हुआ है परंतु तहसीलदार द्वारा अपने निर्णय में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने बाबत जो फाईंडिंग दी है, वह समर्थन योग्य नहीं माना जा सकता है ।

अतः अपीलार्थियों की उक्त अपील स्वीकार की जाकर अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार बालेसर द्वारा पारित अपीलाधीन निर्णय दिनांक 14-8-2013 को निरस्त कर प्रकरण तहसीलदार बालेसर को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि मृतक रूपकंवर के विधिक वारिसान की विस्तृत जांच कर उन्हें सुनवाई का समुचित अवसर देते हुए मृत रूपकंवर के खातेदारी की भूमि के संबंध में पुनः नये सिरे से म्युटेशन की कार्यवाही करे ।

रेसपो0 संख्या 1 जो कि मृतक रूपकंवर पत्नी लालसिंह के प्रथम श्रेणी के वारिस नहीं होने से यदि अपीलाधीन भूमि में स्व0 लालसिंह के नजदीकी भाई होने के आधार पर कोई हक अधिकार रखते हैं तो अपने अधिकारों की घोषणा का वाद सक्षम न्यायालय में पेश करने हेतु स्वतंत्र है ।

निर्णय आज दिनांक 10-1-2018 को खुले न्यायालय सुनाया गया ।

(वंदना सिंघवी)
अतिरिक्त सम्भागीय आयुक्त
जोधपुर